



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 273]

नई दिल्ली, मंगलवार, जून 12, 1984/ज्येष्ठ 22, 1906

No. 273]

NEW DELHI, TUESDAY, JUNE 12, 1984/JYAISTHA 22, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 12 जून, 1984

अधिसूचना

सा० का० नि० 438 (अ) :—केन्द्रीय सरकार,  
भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन)  
अधिनियम, 1981 (1981 का 42) की धारा 25  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत का सामु-  
द्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) नियम,  
1982 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षेप नाम भारत का  
सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) द्वितीय  
संशोधन नियम, 1984 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारत का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन  
विनियमन) नियम, 1982 में,—

(i) नियम 15 के पश्चात् निम्नलिखित नियम रखा  
जाएगा, अर्थात् :—

“15क. अभिगृहीत जलयान/अन्य चीजों  
के स्वामी या मास्टर द्वारा आवेदन का प्रारूप।

धारा 9 की उपधारा (4) के खंड (क)  
के प्रथम परन्तुक के अधीन अभिगृहीत किसी  
विदेशी मत्स्य जलयान या अन्य चीजों का स्वामी  
या मास्टर इस प्रकार अभिगृहीत जलयान या  
अन्य चीजों के निर्मोचन के लिए प्रारूप “ट” में  
आवेदन कर सकेगा।”;

(ii) प्रारूप “अ” के पश्चात् निम्नलिखित प्रारूप जोड़ा  
जाएगा अर्थात् :—

प्रारूप ट

(नियम 15क देखें)

अभिगृहीत जलयान/चीजों के निर्मोचन के लिए जलयान  
के स्वामी या मास्टर द्वारा आवेदन का प्रारूप।  
संवा में,

महानगर मजिस्ट्रेट/न्यायिक मजिस्ट्रेट

महोदय,

मैं, जलयान के स्वामी/मास्टर की हैसियत से भारत  
का सामुद्रिक क्षेत्र (विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन)

अधिनियम, 1981 की धारा 9 की उपधारा (2) के अधीन अभिलेखित जलयान/चीजों के, जो इसमें इसके पश्चात् और विशिष्ट रूप में वर्णित हैं, निर्माण के लिए आवेदन करना हैं।

- (1) जलयान का वर्णन
- (क) जलयान का नाम
- (ख) जलयान का ध्वज राज्य और स्वदेश पत्तन
- (ग) रजिस्ट्रीकरण का देश और पत्तन
- (घ) रजिस्ट्रीकरण संख्यांक
- (ङ) जलयान के स्वामी और मास्टर का नाम
- (च) स्वामी और मास्टर की राष्ट्रिकता और उनका पता।
- (छ) रजिस्ट्रीकृत लंबाई
- (ज) रजिस्ट्रीकृत चौड़ाई
- (झ) रजिस्ट्रीकृत गहराई ( डेफ्ट )
- (ञ) सकल टनभार और शुद्ध टन भार
- (ट) मुख्य इंजन की किस्म, विनिर्मित मुख्य इंजन का नाम और स्थान
- (ठ) मुख्य इंजन की घोषित अक्ष शक्ति
- (2) मत्स्यन गियर का वर्णन।

(3) जलयान के फलक पर अन्य उपस्कर स्टोर और स्योरा का वर्णन।

मैं यथा अपेक्षित—

रु० की नकद प्रतिभूति दी गई\* बैंक प्रत्याभूति की मूल प्रति सं०—रु० की राशि की बैंक प्रत्याभूति/देता हूँ—द्वारा निक्षिप्त तारीख—को नकद प्रतिभूति के प्रमाण-स्वरूप चालान सं०—तारीख—इसके साथ संलग्न है।

जलयान के स्वामी/मास्टर  
के हस्ताक्षर

स्थान नाम  
तारीख पता

\*जो लागू न हो उसे काट दें

[फा० सं० 29012/17/82 एफ०वाई० (टी० 1)]

सू० प्र० जाखनवाल, संयुक्त सचिव

टिप्पणः—भारत का सामुद्रिक क्षेत्र ( विदेशी जलयान मत्स्यन विनियमन) नियम, 1982 भारत सरकार के कृषि मंत्रालय ( कृषि और सहकारिता विभाग) की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 619, (अ), तारीख 26 अगस्त, 1982 के अधीन

प्रकाशित किए गए थे। तथा तत्पश्चात् दिनांक 5 मई, 1984 की सरकारी अधिसूचना का० आ० संख्या 361 ( ई० ), जो कि भारत के राजपत्र (असाधारण) के भाग 2 खंड 3 (ii) में प्रकाशित हुई थी, के द्वारा संशोधित किए गए थे।

## MINISTRY OF AGRICULTURE

(Department of Agriculture and Cooperation)

New Delhi, the 12th June, 1984

### NOTIFICATION

S.O. 438(E).—In exercise of the powers conferred by section 25 of the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Act, 1981 (42 of 1981), the Central Government hereby amends the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Rules, 1982, as follows, namely:—

1. (1) These Rules may be called the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Second Amendment Rules, 1984.

(2) They shall come into force from the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Rules, 1982,—

(i) after rules 15, the following rules shall be inserted, namely:—

“15A. Form of application by owner or master of seized vessel|other things—The owner or the master of a foreign fishing vessel or other things seized under the first proviso to clause (a) of sub-section (4) of section 9, may make an application in Form K for the release of the vessel or other things so seized.”

(ii) after Form J, the following forms shall be added, namely:—

“Form K

(See rule 15A)

FORM OF APPLICATION BY THE OWNER OR MASTER OF THE VESSEL FOR RELEASING THE VESSEL|THINGS SEIZED.

To

The Metropolitan Magistrate|Judicial Magistrate, Sir,

I, as owner|master of the vessel, hereby apply for release of the vessel|things, more particularly described hereinafter, seized under sub-section 2 of section 9 of the Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Act, 1981.

(1) Description of the Vessel

- (a) Name of the Vessel.
- (b) Flag state and home port of Vessel.
- (c) Country and port of registration.
- (d) Registration number.

- (e) Name of owner and master of the Vessel.  
 (f) Nationality, and address of owner and master.  
 (g) Registered length.  
 (h) Registered breadth.  
 (i) Registered depth (draft).  
 (J) Gross tonnage and net tonnage.  
 (k) Kind of main engine, name and place of main engine manufactured.  
 (l) Rated H. P. of main engine.

enclosed.

Signature of the owner/master of the vessel.

Place :

Name :  
 Address :

Date :

\*Strike the phrase not applicable.

[F. No. 29012/17/82-Fy (T-1)]  
 S. P. JAKHANWAL, Jt. Secy.

- (2) Description of fishing gear.  
 (3) Description of other equipments, stores and cargo on board the vessel.

I hereby furnish the cash security of Rs. \_\_\_\_\_  
 a Bank guarantee for an amount of Rs. \_\_\_\_\_  
 as required, Chalan No. \_\_\_\_\_ dated \_\_\_\_\_  
 in token of cash security deposited/\*Bank Guarantee  
 in original given by \_\_\_\_\_ on \_\_\_\_\_ is hereby

Note :—The Maritime Zones of India (Regulation of Fishing by Foreign Vessels) Rules, 1982 were published under the Notification of Government of India, Ministry of Agriculture (Department of Agriculture and Cooperation) No. G.S.R. 619 (E) dated the 26th August, 1982. Subsequently amendment by Government Notification S.O. No. 361(E) dated 5th May, 1984 published in the Gazette of India, Extraordinary Part-II Section 3(ii).

